Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-104

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination March – 2021

M.A. Darshan, Semester : First
दर्शन : प्रश्न-पत्र : चतुर्थ
वैदिकेतर दर्शन – प्रथम

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीघ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. बौद्धदर्शन के प्रमुख सम्प्रदायों का विशद विश्लेषण करें।
2. चार्वाकमत की तत्व-विषयक मान्यता की समीक्षा करें।
3. जैनदर्शनानुसार सम्यक् ज्ञान के स्वरूप एवं उसके रूपों की विस्तृत व्याख्या करें।
4. बौद्धदर्शनोक्त आर्यसत्यों की विस्तृत विवेचना करें।
5. जैनदर्शनानुसार बन्धन का स्वरूप, कारण तथा उसके भेदों का निरूपण प्रस्तुत करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

1. बौद्धदर्शनानुसार द्वादश आयतन कौन-कौन से हैं? उनकी पूजा से क्या तात्पर्य है? स्पष्ट करें।
2. चार्वाकमतानुसार अनुमान-प्रमाण की युक्ति-युक्त समीक्षा करें।
3. बौद्धदर्शनोक्त पञ्च-स्कन्धों का संक्षिप्त वर्णन करें।
4. जैनदर्शनानुमोदित "प्रमाण-मीमांसा" का निरूपण करें।
5. "चार्वाक, बौद्ध एवं जैन दर्शन नास्तिक दर्शन है।" सकारण टिप्पणी लिखें।
6. जैन सम्प्रदाय के प्रसिद्ध दो भेदों की व्याख्या करें।
7. जैनमतानुसार "सम्यक् दर्शन" का क्या स्वरूप है? स्पष्ट करें।

----------x----------